

अंतरराष्ट्रीय बेस्टसेलर द पावर ऑफ़ पॉज़िटिव थिंकिंग के लेखक

# नॉर्मन विन्सेन्ट पील



## विजेताओं के छह नज़रिये



Hindi translation of  
*Six Attitudes for Winners*



विजेताओं  
के  
छह नज़रिये

# विजेताओं के छह नज़रिये

नॉर्मन विन्सेन्ट पील

अनुवाद: डॉ. सुधीर दीक्षित



MANJUL  
मंजुल पब्लिशिंग हाउस



## मंजुल पब्लिशिंग हाउस

कॉरपोरेट एवं संपादकीय कार्यालय  
द्वितीय तल, उषा प्रीत कॉम्प्लेक्स, 42 मालवीय नगर, भोपाल-462003

विक्रय एवं विपणन कार्यालय  
7/32, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002

वेबसाइट: [www.manjulindia.com](http://www.manjulindia.com)

वितरण केन्द्र

अहमदाबाद, बंगलुरु, भोपाल, कोलकाता, चेन्नई,  
हैदराबाद, मुम्बई, नई दिल्ली, पुणे

नॉर्मन विन्सेन्ट पील द्वारा लिखित मूल अंग्रेजी पुस्तक  
सिक्स ऐटीट्यूड्स फ़ॉर विनर्स का हिन्दी अनुवाद

कॉपीराइट © नॉर्मन विन्सेन्ट पील  
सर्वाधिकार सुरक्षित

यह संस्करण मंजुल पब्लिशिंग हाउस द्वारा भारत में © 2017 पहली बार टिन्डेल हाउस पब्लिशर्स, इन्कॉर्पोरेटेड के सहयोग से प्रकाशित। सर्वाधिकार सुरक्षित।

ISBN 978-81-8322-677-6

हिन्दी अनुवाद: डॉ. सुधीर दीक्षित

यह पुस्तक इस शर्त पर विक्रय की जा रही है कि प्रकाशक की लिखित पूर्वानुमति के बिना इसे या इसके किसी भी हिस्से को न तो पुनः प्रकाशित किया जा सकता है और न ही किसी भी अन्य तरीके से, किसी भी रूप में इसका व्यावसायिक उपयोग किया जा सकता है। यदि कोई व्यक्ति ऐसा करता है तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

# अनुक्रम

1. **सकारात्मक:** कोई समस्या इतनी बड़ी नहीं है कि सुलझाई न जा सके
2. **साहसी:** मुझे डरने की कोई बात नहीं है
3. **उत्साही:** जीवन रोमांचक है!
4. **शांतिपूर्ण:** मुझे चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं है
5. **आत्मविश्वासी:** मैं बदलकर बेहतर बन सकता हूँ
6. **आशावादी:** मेरा एक भविष्य है!
7. ग्यारह आम समस्याओं को जीतने की मार्गदर्शिका

## कोई समस्या इतनी बड़ी नहीं है कि सुलझाई न जा सके

मेरे पुराने मित्र जे.सी. पेनी 95 वर्ष के ओजपूर्ण इंसान थे और हम दोनों न्यू यॉर्क के होटल वॉल्डोर्फ स्टोरिया में वक्ताओं की टेबल पर एक साथ बैठे थे। हम समस्याओं पर बातचीत करने लगे। मुद्दा यह था कि इंसान को उनके बारे में क्या करना चाहिए। मैंने कहा, “जे.सी., अपने लंबे जीवनकाल में आपके सामने बहुत सी मुश्किलें आई हैं। समस्याओं के बारे में आपका दर्शन क्या है?”

उनका जवाब इस महान और नेकदिल शख्सियत के क्राबिल था। उन्होंने जवाब दिया, “देखो नॉर्मन, दरअसल मेरी जिंदगी में जितनी भी समस्याएँ आई हैं, मैं उन सभी के लिए कृतज्ञ हूँ। जब मैंने उनमें से प्रत्येक पर विजय पाई, तो हर जीत के साथ मैं ज़्यादा शक्तिशाली बना और आने वाली समस्याओं से मुकाबला करने में ज़्यादा सक्षम बना। मैंने जो भी प्रगति की है, अपनी मुश्किलों की बदौलत की है।”

अगर आप भी अपनी समस्याओं से उबरना चाहते हैं, तो आपको सबसे पहले तो जे.सी. पेनी की तरह उनके प्रति एक सकारात्मक मानसिक नज़रिया रखना होगा।

आप तथ्यों की ओर कैसे देखते हैं?

मेरे ऑफ़िस में एक साइन बोर्ड लगा है, जिसे किसी ने मेरे लिए बनाया था। इस पर लिखा है, “नज़रिये तथ्यों से ज़्यादा महत्वपूर्ण होते हैं।” इस दृष्टिकोण ने मेरी समस्याओं को सुलझाने में मेरी मदद की है, क्योंकि यह बताता है कि तथ्यों की ओर कैसे देखना है। नकारात्मक व्यक्ति कह सकता है, “यह एक कठोर और मुश्किल तथ्य है। आप इससे बच नहीं सकते। तथ्य आखिर तथ्य है और यहीं पर बात खत्म हो जाती है।”

लेकिन दूसरी तरफ़ सकारात्मक व्यक्ति कहता है, “हाँ, यह तथ्य है। लेकिन इससे या किसी भी तथ्य से निबटने का एक तरीका है: इसके पास से घूमकर चले जाएँ या इसके नीचे से जाएँ या इसके ऊपर से जाएँ या इससे सीधे भिड़ जाएँ। हर समस्या सुलझाने के लिए होती है और मेरे पास वह सब है, जिससे मैं यह कर सकता हूँ।”

इस बात की काफ़ी संभावना है कि नकारात्मक व्यक्ति तथ्य से पराजित हो जाएगा, जबकि सकारात्मक व्यक्ति शायद इसे सृजनात्मक तरीके से सुलझा लेगा। यह ध्यान रखें, परिणाम तथ्यों से तय नहीं होता; यह तो उनके प्रति आपके नज़रिये से तय होता है।

वह इलाका, जिसे कोई नहीं चाहता था